चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.8.24	4	4-5

महिला किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाएं : डा. बलवान

जागरण संवाददाता • हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मधुमक्खी पालन पर कीट विज्ञान विभाग में मधुक्रांति परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षण एचएयू एवं इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के बीच हुए अनुबंध के तहत दिया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि हरियाणा के भूमिहीन बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला किसानों में मधुमक्खी पालन के प्रति रुचि पैदा करने के साथ -साथ छोटी मधुमक्खी पालन की इकाईयां स्थापित करने के लिए उन्हें प्रेरित भी किया जा रहा है।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष व परियोजना अधिकारी डा. सुनीता यादव ने बताया कि प्रशिक्षकों को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निःशुल्क मधुमक्खी बक्से एवं आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। कृषि विज्ञान केन्द्र, करनाल के वरिष्ठ संयोजक डा. महासिंह जागलान ने करनाल जिले के विभिन्न गांवों से इस प्रशिक्षण हेतु 30 प्रतिभागियों का चयन किया। इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक राजीव रंजन ने कहा कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। इस अवसर पर इंडियन आयल कारपोरेशन के उप महाप्रबंधक विपिन कुमार, प्रबंधक नीतीश कुमार सिंह प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहसंयोजक डा. सुरेंद्र सिंह यादव, डा. मनोज कुमार व हरीश कुमार भी मौजूद रहे। मंच का संचालन डा. भूपेंद्र सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.8.24	11	1

मधुमक्खी पालन को अपनाएं किसान : डॉ. मंडल

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मधुक्रांति परियोजना के तहत मधुमक्खी पालन पर कीट विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण एचएयू एवं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच हुए अनुबंध के तहत दिया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बुधवार को कहा कि किसानों कि आमदनी में बढ़ोतरी में यह काफी कारगार है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.8.24	5	3-6

भूमिहीन बेरोजगार व महिला किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाएं : डॉ. बलवान सिंह मंडल

हकृवि एवं आईओसीएल अनुबंध के तहत मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 7 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मधुक्रांति परियोजना के अंतर्गत मधुमक्खी पालन पर कीट विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण एचएयू एवं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच हुए अनुबंध के तहत दिया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि किसानों कि आमदनी में बढ़ौतरी करने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हरियाणा के भूमिहीन बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला किसानों में मधुमक्खी पालन के प्रति रुचि पैदा करने के साथ -साथ छोटी मधुमक्खी पालन की इकाइयां स्थापित करने के लिए उन्हें प्रेरित भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बेरोजगार, अशिक्षित और कमजोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपना कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खी पालन को खासकर महिलाओं में लोकप्रिय बनाकर उनके लिए स्वरोजगार स्थापित करना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसान न केवल खुद का व्यवसाय स्थापित करेंगे बल्कि दूसरों को भी रोजगार देने में सक्षम होंगे। मधुमक्खी पालन अपनाने से किसानों और खासतौर से महिलाओं के लिए आजीविका के साधन भी बढ़ेंगे। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष व परियोजना अधिकारी डॉक्टर सुनीता यादव ने बताया कि प्रशिक्षकों को मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना के लिए निःशुल्क मधुमक्खी बक्से एवं आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र की देखरेख में प्रशिक्षुओं को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने के बारे में भी मदद की जाएगी। कृषि विज्ञान केन्द्र, करनाले के वरिष्ठ संयोजक डॉ. महा सिंह जागलान ने करनाल जिले के विभिन्न गांवों से इस प्रशिक्षण हेतु 30 प्रतिभागियों का चयन किया। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक राजीव रंजन ने कहा कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। विश्वविद्यालय किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। महिला कृषक मधुमक्खी पालन के व्यवसाय को अपनाकर संतुलित आहार में पोषण तत्व सहित अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। इस अवसर पर इंडियन आयल कारपोरेशन के उप महाप्रबंधक विपिन कुमार, प्रबंधक नीतीश कुमार सिंह प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉक्टर सुरेंद्र सिंह यादव डॉक्टर मनोज कुमार व हरीश कुमार भी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में डॉ महा सिंह जागलान ने सभी का धन्यवाद किया।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	8.8.24	6	1-4

दैनिक भास्कर

पशु आहार • इस मौसम में मवेशियों को घास वर्गीय और दलहनी चारा मिक्स करके खिलाएं

ज्वार, बाजरा और लोबिया को अगस्त में पड़ती है अधिक देखभाल की जरूरत, उचित कटाई प्रबंधन भी जरूरी

भास्कर न्यूज | हिसार

अगस्त में ज्वार, बाजरा, मक्का व लोबिया आदि चारा फसलों की देखभाल ज्यादा जरूरी है। देखभाल से ही इन फसलों से पौष्टिक एवं अधिक चारा लिया जा सकता है। चारा फसलों का उचित कटाई प्रबंधन भी होना जरूरी है अन्यथा चारे की पौष्टिकता व स्वादिष्टता, दोनों ही प्रभावित होती हैं। मिलवां चारा खिलाने से पशुओं को अधिक फायदा होता है। जिसके लिए हम घास वर्गीय व दलहनी चारा को मिलाकर पशु को खिला सकते हैं। हरे चारे की कमी के दिनों में हरे चारे को अकेले खिलाने के बजाय सूखी तूड़ी या ज्वार, मक्की के हरे चारे या इनकी कड़वी के साथ मिलाकर भी खिलाया जा सकता है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने सलाह दी कि पशुधन की उत्पादकता को बनाए रखने के लिए हरे व सुखे चारे का उचित प्रबंधन अति आवश्यक है।

हिसार | एचएयू में तैयार की गई ज्वार की फसल।

ज्वार: कम बारिश होने पर कटाई के बाद करें सिंचाई

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि सिंचित क्षेत्रों में अधिक कटाई व एक कटाई वाली ज्वार में 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 12 किग्रा फास्फोरस व 12 किग्रा पोटाश बिजाई के समय और 10 किग्रा नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के 1 महीने बाद भी डालें। मल्टी कट ज्वार की किस्में हमें नवंबर तक हरा चारा दे सकती है। पर्याप्त वर्षा न हो तो प्रत्येक काट के बाद सिंचाई करें। खरपतवार प्रबंधन के लिए ज्वार उगने के 20-25 दिन बाद या पहली सिंचाई के बाद, बतर आने पर निराई-गुड़ाई करें।

▪ **कटाई प्रबंधनः** एक-कटाई वाली किस्मों की कटाई 50% फूल आने पर करें जबकि मल्टी कट ज्वार में पहली कटाई बुवाई के 55-60 दिन बाद करें। प्रत्येक कटाई 40-45 दिन के अंतराल पर करें। बहु कटाई वाली किस्मों की कटाई जमीन से 10-12 सेमी ऊपर से करें। ज्वार में धूरिन नामक विषैला तत्व पाया जाता है जिसकी मात्रा 30-35 दिनों तक ज्यादा होती है। 50 दिन के बाद यह कम होने लग जाता है। अधिक नाइट्रोजन उर्वरकों का प्रयोग एवं अधिक सूखा ग्रस्त फसल में धूरिन की मात्रा अधिक होती है।

बाजरे के साथ लोबिया भी बोएं किसान

▪ **उर्वरक प्रबंधनः** बाजरे के चारे की फसल नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के लिए अच्छी प्रतिक्रिया देती है। बुवाई के समय 44 किलो यूरिया प्रति एकड़ और 22 किलो यूरिया बुवाई के एक महीने बाद डालें। यह बुवाई के 50-55 दिनों के बाद कटाई के लिए तैयार हो जाता है। इससे प्रति एकड़ लगभग 150-200 क्विंटल हरा चारा मिलता है। चारे को अधिक पौष्टिक बनाने के लिए बाजरे के साथ लोबिया 2:1 के अनुपात में लाइनों में बोना चाहिए।

लोबियाः 50% फली आने पर कटाई करें

उर्वरक दलहनी फसल होने के कारण, लोबिया में नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता नहीं होती। अच्छी बढ़वार के लिए 10 किग्रा शुद्ध नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। बिजाई से पहले सिंचित इलाकों में 25 किग्रा फास्फोरस और बारानी क्षेत्रों में 12 किग्रा फास्फोरस पोरा या ड्रिल से डालें। मिश्रित खेती में उर्वरक फसल की सिफारिश के अनुपात में ही डालें। कटाई व चारे की पैदावार लोबिया की हरे चारे के लिए कटाई 50% फूल आने से लेकर 50% फलियां बनने तक पूरी कर लेनी चाहिए। अन्यथा चारे की पौष्टिकता प्रभावित होती है। गर्मियों में लोबिया के हरे चारे की पैदावार लगभग 130-135 क्विंटल प्रति एकड़ मिल जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9.8.24	5	3-5

सौहार्द व आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाते हैं तीज त्यौहार : संतोष कुमारी

तीज महोत्सव पर झूला झूलते हुए संतोष कुमारी।

हिसार, 8 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाली तीज उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हकृवि की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी संतोष कुमारी मुख्यातिथि रही। उन्होंने इस उत्सव में शामिल हुई सभी महिलाओं कों तीज की शुभकामनाएं दीं। संतोष कुमारी ने कहा कि हरियाली तीज मुख्यत: स्त्रियों का त्योहार है, जो श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। एक अन्य कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के आरएमसीएस विभाग की छात्राओं ने तीज उत्सव के अवसर पर एक रंगीन मेहंदी कॉर्नर का आयोजन किया, जिसका मार्गदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. किरन सिंह एवं डॉ. कविता दुआ ने किया। इस अवसर पर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक

हकृवि में धूमधाम से मनाई तीज

विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस आयोजन में छात्राओं ने हाथों और पैरों पर आकर्षक मेहंदी डिजाइन लगाए, जिसमें उनकी कलात्मक क्षमता का प्रदर्शन हुआ। मेहंदी कॉर्नर को रंगीन पोस्टरों, गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था, जिससे त्यौहारी माहौल बना। इस अवसर पर डॉ. कविता दुआ ने कहा, यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करने का एक शानदार अवसर है। विभागाध्यक्ष किरन सिंह ने कहा, हमें अपनी छात्राओं की रचनात्मकता और उत्साह पर गर्व है। वहीं दूसरी ओर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ,हिसार के गर्ल्स हॉस्टल कॉम्प्लेक्स में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति के रूप में विश्विविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. वंदना बिश्नोई रहीं। उन्होंने कहा की तीज का त्यौहार हमारी समृद्ध लोक परंपराओं का प्रतीक है। सावन के महीने को प्रकृति की सौंदर्यता के तौर पर देखा जाता है। इस अवसर पर गर्ल्स हॉस्टल में मेंहदी, रंगोली, मटकी को सजावट , लिपन कला, जैसी कई प्रतियोगिताएं करवाई गईं। हॉस्टल चीफ वार्डन प्रो . सुजाता सांघी ने बताया की सुहागिन महिलाएं हरे रंग की चूड़ियां, परिधान अपने पति की खुशहाली, तरक्की, दीर्घायु और सेहतमंद जीवन के लिए पहनती हैं। इस अवसर पर विश्विद्यालय महिला क्लब की सदस्यों के अतिरिक्त समन्वयक डॉ. ज्योति कटारिया, डॉ. संतोष, डॉ. कल्पना शर्मा , डॉ. विनीता, डॉ अंजू गुप्ता तथा लेडी वार्डन ज्योति, ऋतु व कृष्णा आदि उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9.8.24	2	3-5

सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाते हैं हमारे तीज त्यौहार : संतोष

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में हरियाली तीज उत्सव मनाया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाली तीज उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हकृवि की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की धर्मपत्नी संतोष कुमारी मुख्यातिथि रहीं। उन्होंने इस उत्सव में शामिल हुईं सभी महिलाओं को तीज की शुभकामनाएं दीं।

हिसार | तीज महोत्सव पर झूला झूलती संतोष कुमारी।

संतोष कुमारी ने कहा कि हमारे देश में सभी त्योहार सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाए जाते हैं। इससे लोगों में आपसी भाइचारे की भावना पैदा होती है। त्यौहारों को मनाने का यही मकसद होता है कि हमारे बीच आपसी प्रेमभाव बना रहे और हमारी परंपराएं आगे बढ़ती रहे।

एक अन्य कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के आरएमसीएस विभाग की छात्राओं ने तीज उत्सव के अवसर पर एक रंगीन मेहंदी कॉर्नर का आयोजन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9.8.24	3	1-4

सौहार्द व भाईचारे की भावना को बढ़ाते हैं त्योहार : संतोष कुमारी

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाली तीज उत्सव मनाया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब में आयोजित कार्यक्रम में हकृवि की महिला सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की पत्नी संतोष कुमारी मुख्यातिथि रही। संतोष कुमारी ने कहा कि हरियाली तीज मुख्यतः स्त्रियों का त्योहार है, जो श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। लहलाती प्रकृति और प्रेम के रंगों को समेटे हरियाली तीज, अखंड सौभाग्य एवं परिवार की कुशलता के लिए किया जाने वाला व्रत है। मान्यता हैं कि सौभाग्यवती महिलाएं अपने सुहाग को अखंड बनाए रखने के लिए यह व्रत करती हैं। ऐसा माना जाता है सबसे पहले यह व्रत माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए रखा था। उन्हीं का अनुसरण करते हुए महिलाएं माता पार्वती और शिवजी जैसा दांपत्य जीवन पाने के लिए यह व्रत करती हैं। एक अन्य कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के आरएमसीएस विभाग की छात्राओं ने तीज उत्सव के अवसर पर एक रंगीन मेहंदी कार्नर का आयोजन किया। इसका मार्गदर्शन विभागाध्यक्ष डा. किरन सिंह एवं डा. कविता दुआ ने किया। इस अवसर पर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस आयोजन में छात्राओं ने हाथों और पैरों पर आकर्षक मेहंदी डिजाइन लगाए। इस अवसर पर डा. कविता दुआ, विभागाध्यक्ष किरन सिंह मौजूद थे।

तीज महोत्सव पर झूला झूलती संतोष कुमारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	9.8.24	6	1

हकृवि में धूमधाम से मनाया गया तीज महोत्सव

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाली तीज उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हकृवि की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी संतोष कुमारी मुख्यातिथि रही। उन्होंने इस उत्सव में शामिल हुई सभी महिलाओं को तीज की शुभकामनाएं दी। संतोष कुमारी ने कहा कि हरियाली तीज मुख्यत: स्त्रियों का त्यौहार है, जो श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सभी त्यौहार सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाए जाते हैं। इससे लोगों में आपसी भाइचारे की भावना पैदा होती है। वहीं दूसरी ओर एकता और राष्ट्रीयता की भावना का संचार होता है। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के साथ मिलकर झूला झूला और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। उन्होंने पौधा रोपित करके तीज उत्सव पर हरियाली का संदेश दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9.8.24	11	1

हकृवि में धूमधाम से मनाई तीज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाली तीज उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी क्लब में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हकृवि की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की धर्मपत्नी संतोष कुमारी मुख्यातिथि रही।